"आषाढ़ का एक दिन" और "आठवाँ सर्ग" में
चित्रित कालिदास

अ नु क्र म णि का

पृष्ठांक

अध्याय : 1 001-076

कालिदास : व्यक्ति, परिवेश और साधना

भूमिका

जीवन-वृत्त

कालिदास का आविर्भाव

1· ई·स·पूर्व प्रथम शताब्दी

2· ईस्वी सन छठी शताब्दी

3· गुप्तकाल

कालिदास का जन्मस्थान

1· बंगाल के निवासी, 2· विदर्भ के निवासी

3· विदिशा के निवासी, 4· मिथिला के निवासी,

5· कश्मीर के निवासी, 6· मालावा के निवासी

किंवदन्ती-1, किंवदन्ती-2, विवाह, मातृगुप्त, कालिदास:
एक या अनेक

कालिदास की साहित्य-साधना - परिवेश

राजनीतिक पृष्ठभूमि : गुप्त सम्राट, गुप्त सम्राट शासन,
केन्द्रीय शासन, प्रान्तीय शासन, मन्त्री परिषद

सामाजिक पृष्ठभूमि : गुप्तयुग में सामाजिक दशा -
विवाह प्रणाली, स्त्रियों की दशा, वेशभूषा और आभूषण, मनोरंजन

धार्मिक पृष्ठभूमि : धार्मिक दशा, वैष्णव और शैव धर्म,
बौद्ध धर्म, जैन धर्म, धार्मिक सहिष्णुता

पृष्ठांक

सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : शिल्पकला, वास्तु कला, चित्रकला, मुद्रणकला, संगीत एवं अभिनय, सांस्कृतिक कार्यक्रम

साहित्यिक पृष्ठभूमि : साहित्यिकों, दार्शनिकों और धर्माचार्यो द्वारा संस्कृत का उपयोग - राष्ट्रभाषा संस्कृत

कालिदास की साहित्य-संपदा

(अ) काव्यग्रन्थ - 1. ऋतुसंहार, 2. मेघदूत, 3. रघुवंश 4. कुमारसम्भव

(आ) नाटक - 1. मालविकाग्निमित्र, 2. विक्रमोर्वशीय 3. अभिज्ञानशाकुन्तल

कालिदास : काव्य और, नाट्यकला

प्रकृति-चित्रण, सौन्दर्य विधान, उपमा कालिदासस्य, रसराजः शृंगारः, काव्येषु नाटकं रम्यम्

निष्कर्ष

संदर्भ-सूची

अध्याय : 2 077-108

नाटक में पात्र-सृष्टि और चरित्र-चित्रण

भूमिका

नाटक का महत्व

नाटक के तत्व

1. भारतीय विचारधारा

2. पाश्चात्य विचारधारा

पृष्ठांक

पात्र : शब्दप्रयोग

साहित्य में पात्र का महत्व

पात्र एवं चरित्र-चित्रण विधि

भारतीय विचारधारा

नायक

धीरोदात्त नायक, धीरललित नायक, धीरप्रशान्त नायक, धीरोद्धत नायक

नायिका

अन्य पात्र

पाश्चात्य विचारधारा

नायक, खलनायक, नायिका

चरित्र और मनोविज्ञान

पात्र और संवाद

चरित्र-सृष्टि और रंगमंचीयता

अभिनेता और दर्शक

अभिनेयता

नाटककार का दायित्व

नाट्य-प्रस्तुति और निर्देशक

चरित्र

विवेच्य नाटकों में पात्र और चरित्र-सृष्टि

"आषाढ़ का एक दिन"में कालिदासेतर चरित्र-सृष्टि

मल्लिका, अम्बिका, विलोम, मातुल, प्रियंगुमंजरी, निक्षेप,

रंगिणी, संगिनी, अनुस्वार, अनुनासिक, दन्तुल

"आठवाँ सर्ग" में कालिदासेतर चरित्र-सृष्टि

प्रियंगुमंजरी, सम्राट चन्द्रगुप्त, कीर्तिभट्ट, धर्माध्यक्ष, सौमित्र

निष्कर्ष

संदर्भ-सूची

अध्याय : 3 109-179

"आषाढ़ का एक दिन" में चित्रित कालिदास

भूमिका

कालिदास का जीवन-वृत्त

जन्मभूमि, निवास, प्रेयसी मल्लिका, राजसम्मान का निमंत्रण, कालिदास का ग्राम-प्रेम, दोस्ती या दुश्मनी, कालिदास का उज्जयिनी प्रस्थान, मान-सम्मान, विवाह, कालिदास के प्रति पत्नी की आस्था, मल्लिका से न मिलना, कालिदास की त्रासदी

कालिदास और मल्लिका : प्रणयबंध

साहचर्य प्रेम, विवाह का प्रश्न, राजसम्मान, कालिदास-मल्लिका प्रेम, कालिदास के प्रति मल्लिका का प्रेम, भरा हुआ भावकोष्ठ, कोरे पृष्ठ-महाकाव्य रचना, प्रणय-प्रतारणा

कालिदास और राजनीति

हरिणशावक पर अधिकार, राजकीय सम्मान के प्रति उदासीनता, राजकवि का ग्रामप्रदेश, राजनीति से वितृष्णा, राजनीति में निरूपाय प्रवेश, कश्मीर का असफल प्रशासक, कश्मीर जाना और छोडना (अभावग्रस्तता), न बदल न सुख, व्यर्थता का एहसास

कालिदास की साहित्य साधना

साहित्य के प्रेरणास्त्रोत, प्राकृतिक सौंदर्य और नारी सौंदर्य, 'मेघदूत'का प्रेरणास्त्रोत : मल्लिका का अतीव सौन्दर्य, "ऋतुसंहार" का महत्व, सफल कवि और नाटककार, कालिदास के साहित्य पर अनुसंधान

व्यक्तित्व के अन्य पहलू

कोमल कवि : कालिदास, मित्रता पर भरोसा, कालिदास और वारांगणा, टूटा हारा हुआ कालिदास, कालिदास की स्मरणशक्ति, आत्मविश्वास का अभाव,परिस्थिति का दास,पश्चातापदग्ध कालिदास,कालिदास का पलायन

चरित्र-चित्रण विधि

अन्य पात्रों द्वारा चरित्र-चित्रण

अम्बिका की दृष्टि में कालिदास

§क§ घृणापात्र कालिदास, §क§ आत्मसीमित कालिदास,
§ग§ चालबाज कालिदास §घ§ कर्तव्य-विमूढ़ कालिदास

मल्लिका की दृष्टि में कालिदास

§क§ राजसम्मान आवश्यक §ख§ अपवादग्रस्त कालिदास

प्रियंगुमंजरी की दृष्टि में कालिदास

विलोम की दृष्टि में कालिदास

बदला हुआ कालिदास

मातुल की दृष्टि में कालिदास

§क§ मन-परिवर्तन की आशंका §ख§ अव्यवहारी कालिदास

दंतुल की दृष्टि में कालिदास

चौर्यकर्मी कालिदास

निक्षेप की दृष्टि में कालिदास

§क§ कालिदास समय का महत्व जाने §ख§ हठवादी कालिदास
§ग§ परिवर्तनशील कालिदास

आत्मनिवेदन शैली

संवाद में संवाद

खण्डित संवाद

खण्डित व्यक्तित्व अंकन

व्यंग्यात्मक शैली

समीक्षकों की निगाहों में कालिदास

डॉ·गोविन्द चातक, डॉ·लक्ष्मी राय, डॉ·श्रीमती रीता कुमार,
डॉ·वीरेन्द्र मेंहदीरत्ता, डॉ·ब्रजकिशोर, डॉ·गजानन सुर्वे

रंगमंचीय बोध

मंचसज्जा

अभिनेयता §क्रिया-व्यापार§

कालिदास की काव्यप्रतिभा की पहचान, दिलोजान कालिदास,
स्वाभिमानी कालिदास, कालिदास और विलोम, कालिदास की बिदाई
कालिदास के अस्तित्व की पहचान,अपरिचित कालिदास,कालिदास का पलायन

दर्शकीय संवेदना

डॉ·जयदेव तनेजा,डॉ·सुरेश अवस्थी,बाबू सम्पूर्णानंद, कन्हैयालाल नन्दन

निष्कर्ष

संदर्भ-सूची

पृष्ठांक

अध्याय : 4 180-236

"आठवाँ सर्ग" में चित्रित कालिदास

भूमिका

कालिदास का जीवन-वृत्त

वैवाहिक जीवन, वैवाहिक उन्मादक जीवन, पत्नी की प्रकृति के प्रति अनभिज्ञता, मित्र, परिवार और परिचारिका

साहित्य-साधना

"आठवाँ सर्ग" का प्रारंभ, "आठवाँ सर्ग" का प्रतिपाद्य, संयोग शृंगार की उद्दाम अभिव्यक्ति, "आठवाँ सर्ग" : रचना प्रक्रिया, "कुमारसम्भव" की अपूर्णता, "आठवाँ सर्ग" का पाठ : पूर्वाभास - मित्र संगोष्ठी, राज -संगोष्ठी, "रघुवंश", में शृंगारिकता, कालिदास की चरित्र सृष्टि और कीर्तिभट्ट का आत्मक्लेष

साहित्य और राजनीति

कालिदास के राज-सम्मान का आयोजन, राज-गोष्ठी में प्रियंगुमंजरी की अनुपस्थिति, कालिदास का राज-गोष्ठी में प्रभाव

साहित्य में श्लीलता और अश्लीलता का प्रश्न

अश्लीलता और काम, "आठवाँ सर्ग" अश्लील है, "आठवाँ सर्ग" अश्लील नहीं है, अश्लीलता का प्रश्न और रोकथाम, कवि-सम्मान की योजना का स्थगन

न्यायसमिति का गठन

अन्धी न्याय समिति , सम्राट चन्द्रगुप्त की विवशता, राजनीति और रचनाधर्मिता, अभिव्यक्ति स्वातंत्र्य और राजनीति, विवाह की समस्या और राजनीति, चन्द्रगुप्त का सुझाव और कालिदास का आग्रह, न्यायसमिति के निर्णय का संकेत, अश्लीलता के बारे में आधुनिक विचार

साहित्यकार की आत्माभिव्यक्ति का प्रश्न

"अभिज्ञान-शाकुन्तल" की स्वर्णजयन्ती और कविसम्मान, स्वर्णजयन्ती के समारोह में कालिदास की अनुपस्थिति

कालिदास के व्यक्तित्व के कुछ अन्य पहलू

प्रकृतिप्रेमी कालिदास, कलाभिरुचि संपन्न कालिदास, ईर्ष्या का शिकार कालिदास, जैसे को तैसा, संवेदनशीलता, स्वाभिमानी कालिदास, कुटिल कालिदास, शराबी कालिदास, हठवादी कालिदास

चरित्र-चित्रण विधि

1· अन्य पात्रों द्वारा कालिदास का चरित्र-चित्रण

1· कीर्तिभट्ट द्वारा - (रचनाधर्मिता)
2· प्रियंगुमंजरी द्वारा (उद्दाम शृंगार)
3· अनसूया द्वारा - (शृंगारिकता)
4· प्रियंवदा द्वारा - (लोकप्रियता)
5· चंद्रगुप्त द्वारा - (कीर्तिपताका)

2· प्रत्यक्ष चरित्र-चित्रण प्रणाली (गर्वोक्ति)

3· संवाद में संवाद शैली (एकान्त प्रियता)

3· आत्मनिवेदन शैली (विलाप)

5· व्यंग्यात्मक शैली (व्यंग्यधर्मिता)

समीक्षकों की निगाहों में कालिदास

डॉ·जयदेव तनेजा, डॉ·सुन्दरलाल कथूरिया, डॉ·नरनारायण राय, डॉ·राजशेखर शर्मा, डॉ·ब्रजराज किशोर,

रंगमंचीय बोध

मंचसज्जा

अभिनेयता (क्रिया-व्यापार)

कालिदास की रचना-प्रक्रिया, शृंगारी कवि कालिदास, व्यंग्यधर्मिता, स्वर्णजयन्ती और अनुपस्थिति में उपस्थिति, रचनाकार की स्वतंत्रता और लोकप्रियता, सन्तुष्टता और खिन्नता

पृष्ठांक

निदेशकीय और दर्शकीय संवेदनाएँ

निदेशकीय वक्तव्य - सुरेन्द्र वर्मा और राजेंद्र गुप्त

दृश्यबन्ध

अभिनेयता

पार्श्वसंगीत

डॉ॰जयदेव तनेजा

निष्कर्ष

संदर्भ-सूची

अध्याय : 5 237-255

कालिदास : तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य

भूमिका

कालिदास की चरित्र-सृष्टि में नाटककारों का दृष्टिकोण

1॰ मोहन राकेश का दृष्टिकोण

(क) कालिदास का चरित्र

(ख) इतिहास दृष्टि

2॰ सुरेन्द्र वर्मा का दृष्टिकोण

(प) कालिदास : चरित्र-सृष्टि

(फ) ऐतिहासिक आधार

(ब) छूट का स्वीकार

पृष्ठांक

3. निदेशकीय वक्तव्य

(य) "आठवाँ सर्ग" नाटक की रचना-प्रक्रिया

(र) अश्लीलता का प्रश्न

कालिदास का जीवनवृत्त

(क) आविर्भाव और विवाह, (ख) जन्मभूमि (ग) बचपन

(घ) मित्र-शत्रु (ङ) सेवक और परिचारिका

कालिदास : तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य

(अ) इतिहास-दृष्टि

साहित्य-साधना

प्रेरणास्त्रोत

(क) प्राकृतिक सौंदर्य (ख) प्रेयसी-पत्नी

साहित्य और राजनीति

(प) कालिदास का राजसम्मान (फ) साहित्य में अश्लीलता का प्रश्न

(ब) रचनाकार का व्यक्तिस्वातंत्र्य (भ) कालिदास के व्यक्तित्व के अन्य पहलू

रंगमंचीय बोध

(य) मंच-सज्जा (ट) अभिनेयता

"आषाढ़ का एक दिन" : रंगमंचीय प्रस्तुति

"आठवाँ सर्ग" रंगमंचीय प्रस्तुति

निष्कर्ष

संदर्भ-सूची

अध्याय : 6 256-260

स मा प न

संदर्भ-ग्रन्थ-सूची 261-263